No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

01100 **December, 2014**

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001: INDIAN PHILOSOPHY PART – I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Discuss the main philosophical tenets of Mundaka Upanishad. *20*

OR

Explain the general features of Indian Philosophy. *20*

2. Critically evaluate Carvaka metaphysics. *20*

OR

Explain the salient features of Jaina epistemology. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Discuss the philosophical implications of Tajjalaniti in the Chandogya Upanishad. *10*

(b) Explain briefly the central themes of Isha Upanishad. *10*

(c) Describe the 'Sunyavāda' of Madhyamika school. *10*

(d) What is your understanding of the notion of self as described in the story of Nachiketas ? *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Explain the concept of 'Swapiti'. *5*

(b) Describe 'Kalpa Sutras'. *5*

(c) Give a short account of the classification of Vedas. *5*

(d) Briefly explain : "Asatoma sadgamaya, Tamasoma jyotirgamaya, Mrityorma amritam gamaya". *5*

(e) What do you understand by the state of 'Turiya' ? *5*

(f) Briefly explain 'Prana'. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Videha-mukti *4*

(b) Purusha *4*

(c) Bhooma Vidya *4*

(d) Shiksha *4*

(e) Brahmanas *4*

(f) Pramanas *4*

(g) Tatvamasi *4*

(h) Tejas *4*

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन – I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।*

---

1. मुण्डक उपनिषद् के मुख्य दार्शनिक सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए । *20*

अथवा

भारतीय दर्शन के सामान्य लक्षणों की व्याख्या कीजिए । *20*

2. चार्वाक दर्शन की तत्त्वमीमांसा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *20*

अथवा

जैन दर्शन की ज्ञान-मीमांसा के मुख्य लक्षणों की व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) छान्दोग्य उपनिषद् के तज्जलानिति सिद्धान्त के दार्शनिक निहितार्थों की चर्चा कीजिए । *10*

(ख) ईशा उपनिषद् के केन्द्रीय विषयों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) माध्यमिक दर्शन के 'शून्यवाद' का वर्णन कीजिए । *10*

(घ) नचिकेता की कहानी में वर्णित आत्म की अवधारणा को आप कैसे समझते हैं ? *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) 'स्वपिति' के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए । *5*

(ख) 'कल्पसूत्र' का वर्णन कीजिए । *5*

(ग) वेदों के वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

(घ) "असतोमा सदगमय:, तमसोमा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतम् गमय" की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *5*

(ङ) 'तुरीय' अवस्था से आप क्या समझते हैं ? *5*

(च) 'प्राण' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विदेह-मुक्ति *4*

(ख) पुरुष *4*

(ग) भूमा विद्या *4*

(घ) शिक्षा *4*

(ङ) ब्राह्मण ग्रन्थ *4*

(च) प्रमाण *4*

(छ) तत्त्वमसि (त् त्वम असि) *4*

(ज) तेजस *4*